

Instructions / निर्देश

1. All questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. Each question carries 10 marks.
प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।
3. The word limit for each answer is 200 words.
प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 200 शब्द है।

1. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में झारखंड क्षेत्र की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। जनजातीय आंदोलनों को राष्ट्रीय आंदोलन की पृष्ठभूमि में समझाइए।

Analyse the role of the Jharkhand region in India's freedom struggle. Explain the tribal movements in the broader context of the national movement.

2. कोल विद्रोह के कारणों, स्वरूप, नेतृत्व और परिणामों का वर्णन कीजिए। इसका औपनिवेशिक प्रशासन पर क्या प्रभाव पड़ा?

Describe the causes, nature, leadership and consequences of the Kol Rebellion. What impact did it have on the colonial administration?

3. “संथाल हूल भारतीय जनजातीय प्रतिरोध का एक महत्वपूर्ण अध्याय था।” सिद्धो-कान्हू के नेतृत्व और आंदोलन की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए।

“The Santhal Hul was an important chapter in Indian tribal resistance.” Analyse the leadership of Sidho and Kanho and the nature of the movement.

4. बिरसा मुंडा के उलगुलान आंदोलन के सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक आयामों की चर्चा कीजिए।

Discuss the social, religious and political dimensions of Birsa Munda's Ulgulan Movement.

5. ताना भगत आंदोलन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। इस आंदोलन पर गांधीवादी विचारधारा के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

Describe the features of the Tana Bhagat Movement. Examine the influence of Gandhian ideology on this movement.

6. झारखंड क्षेत्र में 1857 के विद्रोह के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए। ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, पांडेय गणपत राय, नीलांबर-पीतांबर और शेख भिखारी की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

Analyse the nature of the Revolt of 1857 in the Jharkhand region. Highlight the role of Thakur Vishwanath Shahdeo, Pandey Ganpat Rai, Nilambar-Pitambar and Sheikh Bhikhari.

7. झारखंड के जनजातीय आंदोलनों में भूमि, जंगल और स्वशासन की माँग केंद्रीय विषय रही है। ऐतिहासिक उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

The demands for land, forests and self-rule remained central to the tribal movements of Jharkhand. Explain with historical examples.

8. झारखंड क्षेत्र में असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

Describe the impact of the Non-Cooperation Movement, Civil Disobedience Movement and Quit India Movement in the Jharkhand region.

9. झारखंड में औपनिवेशिक वन नीतियों ने जनजातीय समाज को किस प्रकार प्रभावित किया? इनके विरुद्ध हुए प्रतिरोध आंदोलनों का विश्लेषण कीजिए।

How did colonial forest policies affect tribal society in Jharkhand? Analyse the resistance movements launched against them.

10. “झारखंड के जनजातीय विद्रोहों को केवल आर्थिक विद्रोह मानना उचित नहीं है।” सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक आयामों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

“It is not appropriate to regard the tribal rebellions of Jharkhand merely as economic revolts.” Discuss in the context of their social, cultural and political dimensions.